कव्वाली
मुझे रास आ गया है,तेरे दर पे सर झुकाना
तुझे मिल गई है रूहें,मुझे मिल गया ठिकाना

1--अपनी रूहों की खातिर,पिया धाम से चल के आये
पकड़ा है हाथ मेरा,अब धाम ले के जाना

2--तेरी आशिकी से पहले ,मुझे कौन जानता था
बैठे हो आके दिल में ,मेरा फकत बहाना

3--तेरे इश्क ने अब मुझको पागल बना दिया है
महबूब अब है अपने,रूठे अगर जमाना

4--ये सर वो सर नही है,रख कर कभी उठा लूं
सर रख दिया है मैने, आता नही उठाना

5--शाहो के शहनशाह का, बड़ा लाड है सुहाना
तेरे दर को मैने समझा,अर्शों क़ा आशियाना

Nijanand App